

G4,6! Is63,16; 64,7  
Is5,16 Ez20,41·1,49!  
J12,28 Zch14,9  
12,22-24 Ex16,4s·Act  
7,26!·16,19; 19,47;  
22,53 Act3,2!  
6,37!p Sir28,2

Jc1,13s

11; 12,25; 14,28.31 etc

18,5 Mc14,6p G6,17

14,24; 15,7.10; 16,9;  
18,8.14; 19,26·18,5

9-13: Mt7,7-11

Jc1,5s·Mt13,45s·  
13,25

Πάτερ<sup>Τ</sup>,

ἀγιασθήτω τὸ ὄνομά σου·

ἔλθέτω ἡ βασιλεία σου<sup>Τ</sup>·

3 τὸν ἄρτον ἡμῶν τὸν ἐπιούσιον δίδου ἡμῖν τὸ  
καθ' ἡμέραν<sup>Τ</sup>·

4 καὶ ἄφες ἡμῖν τὰς ἁμαρτίας<sup>Τ</sup> ἡμῶν,

ἥτις γὰρ αὐτοὶ ἡμῶν ἀφίομεν ὅτι παντὶ ὀφείλονται ἡμῖν<sup>Τ</sup>·

καὶ μὴ εἰσενέγκῃς ἡμᾶς εἰς πειρασμόν<sup>Τ</sup>.

5 Καὶ εἶπεν πρὸς αὐτούς· τίς ἐξ ὑμῶν ἔξει φίλον καὶ  
πορεύσεται πρὸς αὐτὸν μεσονυκτίου καὶ εἶπῃ αὐτῷ·  
φίλε, χρῆσόν μοι τρεῖς ἄρτους, 6 ἐπειδὴ φίλος μου παρε-  
γένετο ἐξ ὁδοῦ πρὸς με<sup>Τ</sup> καὶ οὐκ ἔχω ὃ παραθήσω  
αὐτῷ· 7 κάκεῖνος ἔσωθεν ἀποκριθεὶς εἶπῃ· μή μοι κό-  
πους πάρεχε· ἤδη ἡ θύρα κέκλεισται καὶ τὰ παιδιά μου  
μετ' ἐμοῦ εἰς τὴν κοίτην εἰσίν· οὐ δύναμαι ἀναστὰς δοῦ-  
ναί σοι. 8 λέγω ὑμῖν, <sup>124</sup>εἰ καὶ οὐ δώσει αὐτῷ ἀναστὰς διὰ  
τὸ εἶναι φίλον αὐτοῦ, διὰ γε τὴν ἀναίδειαν αὐτοῦ ἐγερ-  
θεὶς δώσει αὐτῷ ὅσων χρήζει. 9 Κἀγὼ ὑμῖν λέγω, αἰτεῖτε <sup>125</sup>  
καὶ δοθήσεται ὑμῖν, ζητεῖτε καὶ εὕρήσετε, κρούετε καὶ  
ἀνοιγήσεται ὑμῖν· 10 πᾶς γὰρ ὁ αἰτῶν λαμβάνει καὶ

2 <sup>Τ</sup>p) ημων ο εν τοις ουρανοις A C D K P W Γ Δ Θ Ψ 070 f<sup>13</sup> 33<sup>vid</sup>. 565<sup>s</sup>. 579. 892.  
1241. 1424. 2542 M it sy<sup>c.p.h</sup> co | ημων L | txt P<sup>75</sup> x B (1). 700 aur vg sy<sup>s</sup>; Mcion<sup>T</sup> Or |  
'εφ ημας ελθετω σου η βασιλεια D | ελθετω το πνευμα σου το αγιον εφ ημας και  
καθαρισατω ημας (162). 700; (Mcion<sup>T</sup>) GrNy | <sup>Τ</sup>p) γενηθητω το θελημα σου  
(- 565<sup>s</sup>) ως εν ουρανῳ (+ ουτω x\*) και επι της (- x\*.2b A C D W Δ Θ 070<sup>vid</sup>. 892) γης  
x\*.2a.2b A C D K W Γ Δ Θ Ψ 070 f<sup>13</sup> 33<sup>vid</sup>. 565<sup>s</sup>. 579. 700. 892. 1241. 1424. 2542 M it vg<sup>s</sup>  
sy<sup>p.h</sup> bo | γενηθητω το θελημα σου a vg<sup>mss</sup> sa bo<sup>mss</sup> | txt P<sup>75</sup> B L 1 vg sy<sup>s.c</sup>; Mcion<sup>T</sup> Or  
• 3 σου Mcion<sup>Or</sup> | <sup>Τ</sup>p) δος x D 2542 | <sup>Τ</sup>p) σημερον D 2542 it vg<sup>cl</sup> sy<sup>h</sup> bo<sup>mss</sup>  
• 4 <sup>Τ</sup>p) τα οφειληματα D 2542 b c ff<sup>2</sup> vg<sup>mss</sup> | τα αμαρτηματα f<sup>1</sup> | 'ως και αυτοι x\*  
lat | <sup>Τ</sup>p) ως και ημεις D 2542 it | αφιεμεν x\* L Θ Ξ 070. 33. 565. 700. 892. 1241. 1424.  
2542 M | αφηκαμεν sy<sup>p.h</sup> | txt P<sup>75</sup> x<sup>2</sup> A B C D K P<sup>vid</sup> W Γ Δ Ψ f<sup>13</sup> 1. 579 | <sup>Τ</sup>p) τοις  
οφειλεταις ημων D 2542 it bo<sup>pt</sup> | <sup>Τ</sup>p) αλλα ρυσαι ημας απο του πονηρου x<sup>2a</sup> A C D  
K W Γ Δ Θ Ψ 070 f<sup>13</sup> 33. 565. 579. 892. 1241. 1424. 2542 M it vg<sup>mss</sup> sy<sup>c.p.h</sup> bo<sup>pt</sup> | txt P<sup>75</sup>  
x\*.2b B L 1. 700 vg sy<sup>s</sup> sa bo<sup>pt</sup>; Mcion<sup>T</sup> Or • 5 ερει A D K W Ψ f<sup>13</sup> 892. 1424  
• 6 παρεστιν απ αγρου D • 7 ερει D • 8 <sup>Τ</sup>D | 'αυτου φιλος W f<sup>13</sup> | αυτον φιλον A  
565. 1424 | αυτον φιλον αυτου D • 9 ανοιχθησεται D W Γ 1424 pm

ὁ ζητῶν εὐρίσκει καὶ τῷ κρούοντι ἁνοιγ[ήσ]εται. **11** ἴτινα δὲ ἐξ ὑμῶν τὸν πατέρα αἰτήσῃ ὁ υἱὸς ὁ ἰχθύς, ἁ καὶ ἀντὶ ἰχθύος ὄφιν ἑαυτῷ ἐπιδώσει; **12** ἡ καὶ αἰτήσῃ ὥόν, ἐπιδώσει αὐτῷ σκορπίον; **13** εἰ οὖν ὑμεῖς πονηροὶ ὑπάρχοντες οἴδατε δόματα ἀγαθὰ διδόναι τοῖς τέκνοις ὑμῶν, πόσῳ μᾶλλον ὁ πατήρ [ὁ] ἐξ οὐρανοῦ δώσει πνεῦμα ἅγιον τοῖς αἰτοῦσιν αὐτόν.

<sup>39</sup>  
<sup>126</sup>  
V  
<sup>127</sup>  
II  
<sup>128</sup>  
V  
<sup>129</sup>  
II

**14** Καὶ ἦν ἐκβάλλων δαιμόνιον [καὶ αὐτὸ ἦν] κωφόν· ἐγένετο δὲ τοῦ δαιμονίου ἐξελθόντος ἐλάλησεν ὁ κωφὸς καὶ ἐθαύμασαν οἱ ὄχλοι. **15** τινὲς δὲ ἐξ αὐτῶν εἶπον· ἐν Βεελζεβοῦλ τῷ ἄρχοντι τῶν δαιμονίων ἐκβάλλει τὰ δαιμόνια. **16** ἕτεροι δὲ πειράζοντες σημεῖον ἐξ οὐρανοῦ ἐζήτουν παρ' αὐτοῦ. **17** αὐτὸς δὲ εἰδὼς αὐτῶν τὰ διανο-

5!  
10,19 |  
10,19 |  
2! · 24,49!  
14-23: Mt 12,22-30 Mc 3,22-27 · 14s: Mt 9,32-34 · 1,5! · 7,22!p  
Mc 8,11p J 6,30s 1K 1,22 | 5,22!

**10** ἁνοιγεται P<sup>75</sup> B D | ανοιχθησεται A K W Γ Δ 565. 1424 pm | txt P<sup>45</sup> X C L Θ Ψ f<sup>1.13</sup> 33. 579. 700. 892. 1241. 2542 pm • **11** ἴτις δε εξ υμων τον πατερα αιτησει X L (1241) aur c vg | τινα δε εξ υμων αιτησει τον (-P<sup>75</sup>) πατερα ο (-P<sup>75\*</sup>) υιος P<sup>75</sup> B | τινα γαρ εξ υμων πατερα αιτησει υιος P<sup>45</sup> | τινα δε υμων πατερα αιτησει υιος αυτου f<sup>1</sup> | τις δε εξ υμων τον πατερα ο υιος αιτησει D (33. 892) | τινα δε εξ (-2542) υμων τον (-2542) πατερα ο (-2542) υιος αιτησει W 700. 2542 | τινα δε (+ εξ 579) υμων τον (-579) πατερα αιτησει ο υιος Γ Δ 565. 579. 1424 | txt A C K Θ Ψ f<sup>13</sup> M; (Mcion<sup>E</sup> Eriph) | τ p) αρτον μη λιθον επιδωσει αυτω; (+ vs 12 C) η και (-X L 33. 700) X A C (D) K L W Γ Δ Θ Ψ f<sup>1.13</sup> 33. 565. 579. 700. 892. 1424. 2542 M lat sy<sup>(c.p).h</sup> bo | txt P<sup>45.75</sup> B 1241 ff<sup>2</sup> i l sy<sup>s</sup> sa; Mcion<sup>E</sup> | ἁ μη X A C D K L W Δ Θ Ψ f<sup>1.13</sup> 33. 579. 700. 892. 1241. 1424 M latt sa<sup>ms</sup> bo | μη και Γ | η 2542 | txt P<sup>45.75</sup> B; Mcion<sup>E</sup> | ἁ P<sup>45</sup> X A C K W Γ Δ Θ Ψ f<sup>1.13</sup> 33. 565. 579. 1241. 1424. 2542 M | txt P<sup>75</sup> B D L 700. 892 a<sup>2</sup> (c) • **12** τ (ε)αν P<sup>45</sup> A C (cf vs 11 τ) (D) K W Γ Δ Θ Ψ 565. 700. 892. 1424 M latt sy | txt P<sup>75</sup> X B L f<sup>1.13</sup> 33. 579. 1241. 2542 co | ἁ αρτον P<sup>45</sup> | τ μη X A C D K W Γ Δ Θ Ψ f<sup>1.13</sup> 33. 565. 700. 1241. 1424. 2542 M latt sa<sup>ms</sup> bo | txt P<sup>45.75</sup> B L 892 sa<sup>mss</sup> • **13** ἁ p) οντες X D K 1424. 2542 | ἁ εξ ουρανου P<sup>75</sup> X L Ψ 33. 892. 2542 sa bo<sup>pt</sup> | υμων (-579) ο ουρανιος P<sup>45</sup> 579. 1424 l vgs | υμων (ημων f<sup>13</sup>) ο εξ ουρανου C f<sup>13</sup> | txt A B D K W Γ Δ Θ f<sup>1</sup> 565. 700. 1241 M sy<sup>h</sup> | ἁ πνευμα αγαθον P<sup>45</sup> L aur vg sy<sup>hmg</sup> | αγαθον δομα D it | δοματα αγαθα Θ (a<sup>2</sup>) • **14** ἁ p) ταυτα δε ειποντος αυτου προσφερεται αυτω δαιμονιζομενος κωφος, και εκβαλοντος αυτου παντες εθαυμαζον D (a<sup>2c</sup> c f) | P<sup>45.75</sup> X A\* B L f<sup>1</sup> 33. 892. 1241. 2542 sy<sup>s.c</sup> co | txt A<sup>c</sup> C K W Γ Δ Θ Ψ f<sup>13</sup> 565. 579. 700. 1424 M lat sy<sup>p.h</sup> • **15** ἁ ελαλησαν οχυροι λεγοντες P<sup>45</sup> | ἁ Βεελζεβουλ X B (579) | Beelzebub (aur) c vg sy | txt P<sup>45.75</sup> A C D K L N W Γ Δ Θ Ψ f<sup>1.13</sup> 33. 565. 700. 892. 1241. 1424. 2542 M it co | τ p) ο δε αποκριθεις ειπεν· πως δυναται σατανας σαταναν εκβαλλειν (εκβαλειν D) A D (και loco ο δε K) 579 a<sup>2c</sup> r<sup>1</sup> sy<sup>h</sup>